



भारत का राजपत्र The Gazette of India.

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 115]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 2, 1979/जैष्ठ 12, 1901

No. 115]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 2, 1979/JYAISTHA 12, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विदेश मंत्रालय

नियम

नई दिल्ली, 31 मई, 1979

फा० सं० बयु/सी ए डी/792/1/79—अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' के सामान्य संवर्ग के वर्ग I की 1978 एवं 1979 की चयन सूची में संवर्धन के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा के नियम सामान्य सूचना के लिए नीचे प्रकाशित किये गए हैं।

इस चयन सूची में शामिल किए जाने के लिए चुने जाने वाले व्यक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में निश्चित की जाएगी।

अनुसूचित जाति/जनजाति से अभिप्रेत है, संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950, संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित जनजाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, (जैसा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की सूचियों (संशोधन) आदेश, 1956 द्वारा संशोधित किया गया है); बम्बई (पुनर्गठन) अधिनियम 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966; हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम 1970 उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976; संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1950, संविधान (अजमान एवं निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1959 अनुसूचित

जाति और अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित संविधान (वावर और नागर हबेली) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1962 संविधान (पांडेचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964; (अनुसूचित जनजाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967; संविधान (गोवा दमन और दीव) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1968; और संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जनजाति आदेश 1970 में उल्लिखित कोई भी जाति अथवा जनजाति।

2. यह परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इन नियमों के परिशिष्ट में निर्धारित किए गए ढंग से आयोजित की जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निश्चित किया जाएगा।

3. भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग को एकीकृत वर्ग II और III तथा आधुनिक उप-संवर्ग के प्रवर्ण वर्ग का कोई भी स्थायी अथवा चयन सूची में शामिल अधिकारी जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का हो, और जिसने 31 दिसम्बर, 1978 तक भारतीय विदेश सेवा की शाखा 'ख' के सामान्य संवर्ग के एकीकृत वर्ग II और III में और आधुनिक उप-संवर्ग के प्रवर्ण वर्ग में, अथवा दोनों में, जैसी भी स्थिति हो, कम से कम 4 वर्ष की अनुमोदित और निरन्तर सेवा की हो, परीक्षा में बैठ सकता है।

टिप्पणी —(1) भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' के आधुनिक उप-संवर्ग के प्रवर्ण वर्ग के मायने में अनुमोदित सेवा में भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' के आधुनिक उप-संवर्ग के वर्ग 1 में की गई अनुमोदित सेवा की आधी अवधि शामिल होगी।

(2) सैनिक ब्यूटी में रहने पर अनुपस्थिति की किसी भी अवधि की उपर्युक्त पदों में से किसी भी पद के लिए निर्धारित सेवा काल में गिनने की अनुमति दी जाएगी।

(3) भारतीय विदेश सेवा शाखा 'ख' के सामान्य संवर्ग के एकीकृत वर्ग II और III के तथा आशुलिपिक उप-संवर्ग के प्रवरण वर्ग के अधिकारियों की, जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग बाह्य-पद पर हैं, यदि अन्यथा योग्य हों, तो, परीक्षा में प्रवेश की अनुमति होगी। परन्तु यह ऐसे किसी अधिकारी पर लागू नहीं होगा जो किसी संवर्ग बाह्य-पद पर नियुक्त हुआ हो अथवा स्थानांतरण पर किसी अन्य सेवा में नियुक्त किया गया हो और जिसका भारतीय विदेश सेवा शाखा 'ख' के सामान्य संवर्ग के एकीकृत वर्ग II और III तथा आशुलिपिक उप-संवर्ग प्रवरण वर्ग में जैसी भी स्थिति हो, पुनर्ग्रहणाधिकार न हो।

4. परीक्षा में प्रवेश के लिए अथवा अन्यथा किसी बात के लिए उम्मीदवार की पात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

5. किसी भी उम्मीदवार को, तब तक परीक्षा में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक कि उसके पास आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र न हो।

6. उस उम्मीदवार की जिसे आयोग ने निम्नलिखित कारणों से दोषी घोषित किया हो ;

- (1) किसी भी तरीके से अपनी अभ्यर्थिता के लिए समर्थन प्राप्त करने; अथवा
 - (2) प्रतिरूपण करने ; अथवा
 - (3) किसी व्यक्ति द्वारा प्रतिरूपण करवाने ; अथवा
 - (4) जाली अथवा ऐसे दस्तावेज प्रस्तुत करना जिन में हेर-फेर किया हो ; अथवा
 - (5) गलत अथवा असत्य विवरण देने अथवा तथ्य को छिपाने ; अथवा
 - (6) परीक्षा के लिए अपनी अभ्यर्थिता के सम्बन्ध में किसी अन्य अनिश्चित अथवा अनुपयुक्त तरीकों से काम लेने ; अथवा
 - (7) परीक्षा के दौरान अनुचित तरीके अपनाने; अथवा
 - (8) उत्तर पुस्तिका (पुस्तिकाओं) में अप्रार्सगिक विषय लिखने, जिसमें अश्लील भाषा अथवा अश्लील सामग्री शामिल है; अथवा
 - (9) परीक्षा भवन में किसी प्रकार का दुर्व्यवहार करने ; अथवा
 - (10) परीक्षाओं को आयोजित करने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान करने अथवा उन्हें शारीरिक नुकसान पहुंचाने ; अथवा
 - (11) उल्लिखित धाराओं में बताया गया कोई काम करने का प्रयत्न अगर कोई करता हो या इन कामों को करने के लिए किसी को उकसाना हो तो उसके खिलाफ अपराधिक अभियोग तो चलाया ही जा सकता है, इसके अतिरिक्त वह:—
- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है जिसके लिए वह उम्मीदवार है; अथवा
 - (ख) (i) आयोग द्वारा उसके द्वारा आयोजित किसी भी परीक्षा अथवा भवन में ;
 - (ii) केन्द्र सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नियोजन से ; स्थायी रूप से अथवा किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए बहिष्कृत किया जा सकता है ; और
 - (ग) समुचित नियमों के अन्तर्गत अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

7. परीक्षा के बाद आयोग द्वारा उम्मीदवारों का वर्गीकरण प्रत्येक उम्मीदवार को अंतिम रूप से प्राप्त कुल अंकों के आधार पर उनकी योग्यताक्रम के अनुसार, दो अलग-अलग सूचियों में किया जाएगा जिसमें से एक में अनुसूचित जाति के और दूसरी में अनुसूचित जन जाति के सदस्य होंगे; और उसी क्रम से जितने उम्मीदवारों को आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य ठहराया गया हो, उनकी आयोग द्वारा उपर्युक्त दोनों कोटियों के लिए 1978 और 1979 की भयन सूची में शामिल किए जाने के लिए सिफारिश की जाएगी।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि यह एक प्रतियोगिता परीक्षा है अर्हकारी परीक्षा नहीं। परीक्षा के परिणामों के आधार पर प्रत्येक भयन सूची में कितने व्यक्ति शामिल किए जाएंगे इसका निर्णय पूर्ण रूप से सरकार करेगी। इसलिए इस परीक्षा में निष्पादित अपनी योग्यता के आधार पर कोई भी उम्मीदवार अधिकार के तौर पर इस भयन सूची में अपना नाम शामिल करने का दावा नहीं कर सकता।

8. प्रत्येक उम्मीदवार की परीक्षा का परिणाम किस रूप में और किसी तरह भेजा जाएगा इसका निर्णय आयोग अपने विवेक से करेगा और परिणाम के संबंध में आयोग उनके साथ किसी तरह का पक्षकार नहीं करेगा।

9. परीक्षा में सफलता में ही भयन का अधिकार नहीं मिल जाता जब तक सरकार अपेक्षित जांच करवा लेने के बाद इस घोर से समुष्ट नहीं हो जाती कि उम्मीदवार, सेवा में उसके आचरण को ध्यान में रखते हुए, भयन के लिए सभी तरह से योग्य और उपयुक्त है।

लेकिन किसी ऐसे उम्मीदवार के भयन का अयोग्यता का निर्णय, जिसके भयन के लिए आयोग ने सिफारिश की हो, आयोग के परामर्श से किया जायेगा।

10. कोई भी उम्मीदवार परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने के बाद अथवा उसमें बैठने के बाद, त्यागपत्र दे देता है अथवा अन्यथा नीकरी छोड़ देता है अथवा इसके साथ अपना सम्बन्ध तोड़ देता है अथवा जिसकी सेवाएं उसके विभाग द्वारा समाप्त कर दी जाती हैं अथवा 'स्थानांतरण पर जिसकी नियुक्ति किसी अन्य सेवा में किसी संवर्ग बाह्य पद पर की गई है और उसका भारतीय विदेश सेवा शाखा 'ख' के सामान्य संवर्ग के एकीकृत वर्ग II और III में तथा आशुलिपिक उप-संवर्ग के प्रवरण वर्ग में पुनर्ग्रहणाधिकार नहीं है वह इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

लेकिन, यह उस व्यक्ति पर लागू नहीं होगा जिसको सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन पर संवर्ग-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्त किया गया है।

संलग्नक

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

भाग 1—जो वे सिखे प्रत्येक विषयों में लिखित परीक्षा जो प्रत्येक अधिकतम 200 अंकों की होगी:

- (1) भारत सरकार सचिवालय और संलग्न कार्यालयों में क्रियाविधि और पद्धति।
 - (2) भारतीय संविधान और शासन व्यवस्था का सामान्य ज्ञान; संसद की पद्धति और प्रक्रिया।
- प्रत्येक पक्षा 2½ घंटे का होगा।

भाग II:—आयोग अपने विवेक से जिन उम्मीदवारों के बारे में तय करेगा उनके सेवा-शर्तों का मूल्य कथन तथा साक्षात्कार किया जाएगा जिसके अधिकतम अंक 200 होंगे।

2. परीक्षा का पाठ्यविवरण वही होगा जो अनुसूची में बताया गया है।

3. उम्मीदवारों को प्रश्नों के उत्तर अंग्रेजी अथवा हिन्दी (देवनागरी) में देने का विकल्प होगा। प्रश्न पत्र अंग्रेजी और हिन्दी में होंगे।

टिप्पणी I : एक ही प्रश्न पत्र में सभी प्रश्नों के लिए बिकल्प समान होगा न कि अलग-अलग प्रश्नों के लिए।

टिप्पणी II : जो उम्मीदवार उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में देने के इच्छुक हों, उन्हें आवेदन-पत्र के सम्बद्ध कालम में अपने इस ह्रास का संकेत देना चाहिए। अन्यथा यह मान लिया जाएगा की वे सभी प्रश्न पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में देंगे। एक बार दिया गया बिकल्प प्रतिम मान लिया जायेगा और उपर्युक्त कालम में परिवर्तन के लिए किसी प्रकार के अनुरोध पर विचार नहीं किया जायेगा।

टिप्पणी III : जिन उम्मीदवारों ने प्रश्न पत्रों के उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में देने का विकल्प लिया है, यदि चाहे तो, तकनीकी शब्दावली का विवरण, यदि कोई हो तो, हिन्दी रूप के अतिरिक्त कोष्ठकों में अंग्रेजी रूप भी दे सकते हैं।

(4) उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी परिस्थिति में उत्तर लिखने के लिए उन्हें किसी लिखने वाले की सहायता की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(5) आयोग की परीक्षा के किसी भी अथवा सभी भागों के अर्हता अंक निर्धारित करने का अधिकार है। केवल उन उम्मीदवारों पर जो निर्धारित परीक्षा में इस प्रकार कम से कम अर्हता अंक प्राप्त करते हैं, जैसा कि आयोग द्वारा उसकी इच्छा से निर्धारित किया जायेगा गोपनीय रिपोर्टों के मूल्यांकन के लिए विचार किया जायेगा और साक्षात्कार की व्यवस्था की जाएगी।

(6) मात्र सतही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिये जायेंगे।

(7) लिखित विषयों में अस्पष्ट लिखावट के लिए अधिकतम 5 प्रतिशत अंक काटे जा सकते हैं।

(8) परीक्षा के सभी विषयों में शब्दों की पूरी किराया के साथ व्यवस्थित, प्रभावकारी और सटीक अभिव्यक्ति को श्रेय दिया जायेगा।

अनुसूची

परीक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम

जहां नियमों, आदेशों, निर्देशों आदि का ज्ञान अपेक्षित हो वहां उम्मीदवारों से यह आशा की जाएगी कि इस परीक्षा की अधिसूचना जारी किये जाने की तारीख तक जारी किए गए संशोधनों से वे परिचित हों।

भारत सरकार के सचिवालय और सहायक कार्यालयों में प्रक्रिया और पद्धति

यह भारत सरकार सचिवालय और सहायक कार्यालयों में कार्य के तरीके और प्रक्रिया के बारे में एक गहन और विस्तृत परीक्षा होगी। इस विषय पर निम्नलिखित से मार्ग दर्शन लिया जा सकता है :—

- (i) अधिसूचना के समय प्रचलित कार्यालय पद्धति।
- (ii) सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा कार्यालय प्रशिक्षण के बारे में जारी की गई टिप्पणियां।
- (iii) "संघ के सरकारी कार्यों के लिए हिन्दी के प्रयोग से सम्बद्ध" गृह-मंत्रालय द्वारा जारी की गई आदेशों की पुस्तिका।

भारतीय संविधान और शासन व्यवस्था का सामान्य ज्ञान; संसद की प्रक्रिया और पद्धति

टिप्पणी : निम्नलिखित की जानकारी की उम्मीद की जाएगी :—

- (1) भारतीय संविधान के मुख्य सिद्धान्त।
- (2) लोक सभा और राज्य सभा में प्रक्रिया नियम और कार्य-संचालन।
- (3) भारत सरकार की शासन व्यवस्था का प्रबन्ध—मंत्रालयों, विभागों और संलग्न एवं सहायक कार्यालयों के बीच विषयों का स्पष्ट उल्लेख और आपस में बंटवारा और उनका प्रारम्भिक सम्बन्ध।

ईश्वरन प्रज्ञोज, निदेशक (ए० डी० पी०)

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS RULES

New Delhi, the 31st May, 1979

F. No. Q/CAD/792/1/79.—The rules for a Limited Departmental Competitive Examination to be held by the Union Public Service Commission in 1979 for additions to the Select List of 1978 and 1979 for Grade-I of the General Cadre of Indian Foreign Service, Branch-B against vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes are published below for general information.

The number of persons to be selected for inclusion in the Select List will be specified in the Notice issued by the Commission.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971; and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956; the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962; the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964; the Constitution (Scheduled Tribes) Uttar Pradesh Order, 1967; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968; and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

2. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in the Appendix to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

3. Any permanent or Select List Officer of the Integrated Grades-II and III of the General Cadre and Selection Grade of the Stenographers' Sub-Cadre of the IFS (B) who belongs to the Scheduled Caste or Scheduled Tribe and who, on 31st of December, 1978, has rendered not less than 4 years' approved and continuous service in Integrated Grade-II and III of the General Cadre and Selection Grade of the Stenographers' Sub-Cadre of the Indian Foreign Service, Branch (B), or in both, as the case may be, shall be eligible to appear at the examination.

NOTE (1) :

In the case of Selection Grade of the Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service Branch (B) the approved service shall include half of the approved service rendered in Grade-I of the Stenographers' Sub-Cadre of the Indian Foreign Service, Branch (B).

(2) Any period of absence on Military duties may be allowed to be counted towards the prescribed length of service in any of the above posts.

(3) Officers of the Integrated Grades—II and III of the General Cadre and Selection Grade of Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service Branch (B) who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted at the examination if otherwise eligible. Provided that it shall not apply to an officer who has been appointed to an ex-cadre post or to another Service on transfer and does not have a lien in the Integrated Grades—II & III of the General Cadre and Selection Grade of Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service, Branch (B) as the case may be.

4 The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

5 No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

6 A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s) or,
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall ; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations ; or
- (xi) attempting to commit, or as the case may be, abetting to Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them,
 - (ii) by the Central Government from any employment under them, and
 - (c) to disciplinary action under the appropriate rules

7 After the examination candidates will be arranged by the Commission in the order of merit in two separate lists one being for candidates belonging to the Scheduled Castes and the other being for candidates belonging to the Scheduled Tribes as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for inclusion in the Select List of 1978 and of 1979 for each of the aforesaid two categories of candidates upto the required number.

NOTE Candidates should clearly understand that this is a competitive and not a qualifying examination. The number of persons to be included in each Select List on the results of the examination is entirely within the competence of Government to decide. No candidate will, therefore, have any claim for inclusion in the Select List on the basis of his performance in this examination as a matter of right.

8 The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

9 Success in the examination confers no right to selection unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his conduct in service, is eligible and suitable in all respects for selection.

Provided that the decision as to ineligibility for selection in the case of any candidate recommended for selection by the Commission shall be taken in consultation with the Commission.

10 A candidate who after applying for admission to the examination or after appearing at it, resigns his appointment or otherwise quits the service or severs his connection with it or whose services are terminated by his Department or who is appointed to an ex-cadre post or to another Service on 'transfer' and does not have a lien in the Integrated Grades II and III of the General Cadre and Selection Grade of the Stenographers' Sub-Cadre of the Indian Foreign Service, Branch (B) will not be eligible for appointment on the results of this examination.

This, however, does not apply to a person who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority.

APPENDIX

The examination shall be conducted according to the following plan —

PART I —Written examination carrying a maximum of 200 marks in each of the subjects as shown below —

- (i) Procedure & practice in the Government of India Secretariat and Attached Offices
- (ii) General Knowledge of the Constitution of India and Machinery of Government; Practice & Procedure in Parliament

The papers will be of 2 1/2 hours duration each.

PART II —Evaluation of records of service and interview of such of the candidates as may be decided by the Commission in their discretion carrying a maximum of 200 marks.

2 Syllabus of the examination will be as shown in the Schedule.

3 Candidates are allowed the option to answer the paper either in English or Hindi (Devanagari). Question papers will be set in English and Hindi.

NOTE I The option will be same for all the questions and not for different questions in the same papers.

NOTE II Candidates desirous of exercising the option to answer the papers in Hindi (Devanagari) should indicate their intention to do so in the relevant Column of the application form. Otherwise, it would be assumed that they would answer all papers in English. The option once exercised shall be treated as final and no request for alteration in the said column shall be entertained.

NOTE III Candidates exercising the option to answer the papers in Hindi (Devanagari) may, if they so desire, give English version within brackets of the description of the technical terms, if any, in addition to the Hindi version.

4 Candidates must write the paper in their own hand. In no circumstances they will be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have the discretion of fix qualifying marks in any or all the parts of the examination. Only those candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion will be considered for evaluation of C.Rs. and called for interview.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Deduction upto 5 per cent of the maximum marks in the written subjects will be made for illegible handwriting.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of examination.

SCHEDULE

SYLLABUS OF THE EXAMINATION

WHERE KNOWLEDGE OF THE RULES, ORDERS, INSTRUCTIONS ETC. IS REQUIRED CANDIDATES WILL BE EXPECTED TO BE CONVERSANT WITH AMENDMENTS ISSUED UPTO THE DATE OF NOTIFICATION OF THIS EXAMINATION.

PROCEDURE AND PRACTICE IN GOVERNMENT OF INDIA SECRETARIAT AND ATTACHED OFFICES.

This is intended to be an intensive and detailed test in methods and procedure of work in the Government of India

Secretariat and attached offices. Some guidance on the subject can be obtained from:—

- (i) Manual of Office Procedure current at the time of the Notification.
- (ii) Notes on Office Procedure issued by the Institute of Secretariat Training and Management.
- (iii) 'Hand Book of Orders regarding use of Hindi for Official purposes of the Union' issued by the Ministry of Home Affairs.

GENERAL KNOWLEDGE OF THE CONSTITUTION OF INDIA AND MACHINERY OF GOVERNMENT; PRACTICE AND PROCEDURE IN PARLIAMENT—

NOTE: Knowledge of the following will be expected:—

- (i) the main principles of the Constitution of India;
- (ii) Rules of procedure and conduct of Business in the Lok Sabha and the Rajya Sabha; and
- (iii) the organisation of the machinery of Government of India—designation and allocation of subjects between Ministries, Departments and Attached and Subordinate Offices and their relation inter se.

ISHRAT AZIZ, Director (ADP)

